World Environment Day Program
at NTPC Power Management Institute

Noida, 03 June 2016

Thank you गुरदीप सिंह जी, CMD, NTPC, झा साहब, शर्मा जी, पाण्डेय जी, सम्माननीय NTPC के सभी वरिष्ठ अधिकारीगण, उपस्थित सभी महानुभाव, प्यारे बच्चों, मीडिया के मेरे मित्र, भाइयो और बहनों !

वास्तव में बहुत अच्छा योग है कि आज के दिन ये कार्यक्रम रखा गया खासतौर पर क्योंकि कल NTPC के इतिहास में एक बहुत महत्वपूर्ण दिन रहा, हमारा जो विन्द्याचल का पॉवर स्टेशन है जो भारत का सबसे बड़ा पॉवर प्लांट है, 4,760 MW की क्षमता वाला विन्द्याचल पॉवर प्लांट कल 100.05;100% PLF पर चला है, मैं समझता हूँ ये अपने आप में एक बहुत ख़ुशी का दिन है, मैं NTPC के सभी अधिकारियों को, सभी कर्मचारियों को और खासतौर पे विन्द्याचल के प्रोजेक्ट अधिकारी और कर्मचारियों को तहे दिल से बहुत-बहुत बधाई देता हूँ; 114 मिलियन यूनिट सिर्फ एक प्लांट ने उस दिन बनाए और ख़ुशी की बात ये है कि अधिकांश वहां पर जो पॉवर का equipments लगा है वो बी.एच.ई.एल. द्वारा बेचा गया है, और भी एक अच्छा संजोग ये है कि बी.एच.ई.एल. आनंद गीते जी के मंत्रालय के अंतर्गत आता है और कल उनका जन्म दिन था, मैं समझता हूँ गुरदीप जी आपको उनको कुछ फूल भेंजने चाहिए इस खबर के साथ कि आपके दिए हुए कंपनी के प्लांट से 114 मिलियन यूनिट का एक दिन में उत्पादन किया गया |

The knowledge will be the fulcrum of its success, और PMI जैसी संस्थाएं उस knowledge base को बढाएंगी, उस knowledge base को और सुदृढ़ करेंगी हमारे एन.टी.पी.सी.के internal knowledge base को देश के सभी युवा-युवतियों की भी नॉलेज कैसे अच्छी क्वालिटी की हो, बड़े रूप में ये सब आगे बढ़ के engineers बने, management experts बने उसमें ये छोटा सा योगदान एन.टी.पी.सी. का जो है मैं समझता हूँ ये बहुत अच्छा सुखद दिन है कि मुझे यहाँ आज आने का मौका मिला बहुत अच्छी facilities देखने का मौका मिला पर सिर्फ थोड़ी ambition बढाने की आवश्यकता है, अच्छा है आपने पिछले वर्ष ये शुरू किया है these are really the beginnings. नीव अच्छी रखी गयी है जिसे मैंने आज विजिट किया, मेरे मन में बैठे-बैठे एक कल्पना आ रही थी कि इसको 2019 तक अगर 1000 स्टूडेंट्स का हम लक्ष्य रखके चलते हैं तो मुझे लगता है कि उत्तर प्रदेश में और खासतौर पे जो ग्रामीण इलाके नॉएडा से सटे हुए हैं इन सब इलाकों में बच्चों को एक highest world class quality education मिलने का एक साधन PMI में बनना चाहिए और 1000 बच्चों में मैं सोच रहा था कि इसको annual 1000 बच्चे करने के बदले, आप सोच सकते हैं जैसे कई विश्व की यूनिवर्सिटीज में रहता है कि आपके पांच quarters का कोर्स है 15 महीने का, क्यूँ ना हम हर quarter में 200 बच्चे नए ले तो एक प्रकार से रोलिंग प्लान में पांच quarters में 200-200 नए बच्चे लेंगे तो आपको facilities expand करने का थोडा समय भी मिल जायेगा, आज कल तो बड़े modern technology से construction fast हो सकती है तो आप कोशिश कर के इसको एक expansion programme बनाइए, world class faculty लाइए, कोई एक्सपर्ट्स विदेश से भी लाने पड़े तो उनको invite करिए इसमें participate करने के लिए हमारे बच्चों को highest quality education मिले, क्यों हमारे बच्चों को और हमको research करने MIT जाना पड़ता है, हम क्यों नहीं यहाँ पर ऐसे बच्चे तैयार करे जो यहीं पर research करके हमको

clean coal technologies और better future processing of coal में मदद करें | मैं समझता हूँ कि आप इसको एक मिशन मोड में लेकर इस इंस्टिट्यूट में कम से कम 1000 बच्चों को दाखिला दे और हर वर्ष उसमें से 800 बच्चे graduate करके निकले, ये लक्ष्य अगर रखें तो उससे एक और लाभ होगा कि हर तीन महीने में 200 नए बच्चे आते हैं तो आपस में आदान-प्रदान भी बढेगा, नए बच्चे आएंगे पुराने उनको सपोर्ट करेंगे, सेटल डाउन करने में हेल्प करेंगे, सीनियर्स का बेनिफिट मिलेगा, नए आइडियाज आयेंगे जिससे सीनियर्स भी बेनिफिट लेंगे, ऐसे कुछ unique pattern पर इसको किया जाए और उसमें मेरिट पर फोकस किया जाए, means किसी के भी कम हो उसको यहाँ एजुकेशन के लिए वंचित नहीं रहना पड़े |

कुछ American universities, Harvard for example उसमें admission is blind to your financial capacity, it is merit based. आपकी आमदनी कभी पूछी नहीं जाएगी, आप फीस पे कर पाओगे कि नहीं कर पाओगे. Admission should be merit based and blind to the person'sability to pay a fee. उसके बाद आप तरीके निकालिए चाहे लोन स्कालरशिप हो, बैंक्स से लोन मिले चाहे बहुत ही गरीब परिवार से कोई आता है तो आप पूरी स्कालरशिप दे | इस प्रकार से इसको तैयार करिए कि ये institute self-sustaining हो सके इस institute में गरीब से गरीब बच्चा जिस परिवार को शोषित रखा गया, जिस परिवार को इतने वर्षों तक विद्या से वंचित रखा गया उनको preference मिले या उनको यहाँ पे, एडमिशन में भी एक special dispensation मिले, आखिर गुरदीप जी आपका या मेरा बच्चा जिस environment में पढता है जिस environment में उसको internet facility है, air-conditioned room में बैठके पढता है उसको compare करना या उसको competition में बिठाना उस बच्चे से जिसके घर में बिजली भी नहीं है it is totally unfair. और मैं समझता हूँ government की जो संस्थाएं होती हैं खासतौर पर public sector companies उनकी ये ज़िम्मेदारी है कि वो उस वर्ग का ध्यान ज्यादा रखे, उस वर्ग के प्रति संवेदना रखे और उनको भी कैसे समाज में उठाना और कैसे उनको समाज में इस unequal competition के बावजूद आगे आने का मौका मिले |

इस कमरे में भी हम जितने 500 लोग बैठे हैं हम सब अपने गिरेबान में देखें तो कभी ना कभी हम को भी ऐसी कोई मदद मिली होगी कोई हम सब यहाँ समृद्ध परिवार से पैदा हुए हैं ऐसा नहीं होगा | शायद यहाँ पर भी कई लोग होंगे जिन्होंने गरीबी देखी होगी उसके बावजूद आज यहाँ पहुंचे, तो हमारी ज़िम्मेदारी बनती है कि ऐसे हम कितने लोगों को उद्धार कर सके, कितने लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकें और मैं समझता हूँ अगर NTPC जैसी एक अच्छी performing profitable company ये बीड़ा उठाती है कि हमारे 45 plant हैं, क्या हम 45 plant में एक PMI जैसी संस्था खोल सके, आखिर आपके हर प्लांट में दस एकड़ लगते हैं, आपके पास बहुत जमीन रहती है, क्या हम 45 PMI खड़े कर सकते हैं? क्या हम हर वर्ष 40,000 बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ तैयार कर सकते हैं | ऐसे कुछ ambitious target रख के इस काम को बढाया जाए, खासतौर पर ग्रामीण इलाकों के प्रति कैसे फोकस किया जाए, उनको कैसे मौका मिले, दिल्ली-मुंबई के बच्चे तो घूम फिर के किधर ना किधर एडमिशन ले लेंगे, उनको मौके भी बहुत मिल जाते हैं, मैं ये नहीं कह रहा हूँ कि उनको एडमिशन मत देना मैं खुद मुंबई से आता हूँ, दिल्ली में रहता हूँ दोनों जगह से मेरा बहिष्कार हो जाएगा, लेकिन focus should be on the people who have been deprived of these things, of education, of knowledge.

आखिर माँ सरस्वती के प्रति हम गीत गाएं, उनकी वन्दना करें, उनको पूजा करें वो तो बहुत अच्छी बात है मैं स्वयं भी उस पे विश्वास करता हूँ लेकिन सबसे अच्छी पूजा वही होगी जब हम इस प्रकार के गरीब बच्चों को पढ़ा लिखा के इस देश का अच्छा नौजवान, इस देश का अच्छा नागरिक बना पाएं |

मैं World Environment Day की celebration के लिए आया था, department हर बार आपको लिख के देता है तो मेरे पास भी World Environment के बारे में बात करने के लिए पूरे लम्बे चौड़े चिट्ठे हैं, लेकिन मुझे लगता है Environment के प्रति जितना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी संकल्पित हैं, प्रतिबद्ध है कि पर्यावरण पर विशेष ध्यान दिया जाये, जितना हमारे सभी मंत्रालय लगे हुए हैं फिर चाहे NTPC हो जिसने सवा दो करोड़, 2.3 करोड़ trees लगाए हुए हैं, और एक करोड़ trees अभी आपने बताया 100-150 दिन में आप लगाएँगे और मैं आप से रिपोर्ट लूँगा वो तो आप को मालूम ही है उसमें कोई compromise नहीं होगा और हर tree के ऊपर numbering कर देना बाद में इसका भी App बना के एक लाख trees का सब फोटोज डलवादूंगा |

Ideally, आपये trees जहाँ भी लगाएँ इसकी ownership दे दीजिएगा, I don't know whether tree-wise ownership हो सकती है या patches में, कि भाईये patch पाण्डेय जी का है और पाण्डेय जी की ज़िम्मेदारी है कि इस patch को ये संभालके रखें, इसको सही खाद मिले, इसकी सही पाले-पोसे ताकि ये बड़े हो सके, चेयर मैन अपना एक patch ले और ये कर के हम 23,000 employees एक-एक patch pick up करे और इस प्रकार से हम trees लगाएं और जैसे आपने कहा state governments सभी इसमें मदद करेंगे और दिक्कत होगी तो इतना विश्वास दिला सकता हूँ की BJP की हर एक state government आपको सपोर्ट करे और आज जिस प्रकार से चल रहा है वैसे भी आधा देश में तो BJP की राज्य सरकारें है तो अब कोई complain नहीं होगी |

No I am not politicizing it मैं सिर्फ इसलिए कह रहा हूँ कि excuse मत मारना बाद में इसलिए ये बात को आप को उजागर कर रहा हूँ, बाकी हमारे PSUs मदद कर सकते हैं, आप करोगे और उनसे मांगोगे कि आप ज़मीन दे दो हम पेड़ लगाना चाहते हैं तो शर्मा शर्मी में वो भी लगाना शुरू कर देंगे | तो आप वो भी कर दीजिये सब PSUs को चिट्ठी लिखिए कि आप ज़रा हमें थोड़ी जगह दीजिये हमारे लोग वहां आके प्लांटेशन करना चाहते हैं | कई बार domino effect एक दूसरे को देखा देखे भी बहुत लाभ हो जाता है, बहुत काम बढ़ जाता है, बहुत काम सुधर जाता है और मैं समझता हूँ कि जिस प्रकार से नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति भारत आज काम कर रहा है, 2022 तक 1,75,000 MW renewable energy के प्लान है, अभी भी हम बड़े hydro plants को उसमें नहीं गिनते हैं, वो गिनेंगे तो शायद 2022 तक सवा दो लाख मेगावाट से भी अधिक हो जाएगा और मैंने कल ही एक नोट भेजा है कि ज़रा विश्व के अलग-अलग देशों की स्थिति स्टडी की जाए, साधारणता जितने बड़े देश हैं वो हर एक hydro plant को renewable energy मानते हैं तो मैं समझता हूँ भारत को भी पुनःविचार करने की आवश्यकता है कि क्यों तीस्ता या क्यों जितने बड़े प्लांट्स लग रहे हैं आपका कोल्डैम जिसका आपने सुन्दर दृश्य दिखाया क्यों कोल्डैम भी नवीकरणीय ऊर्जा में नहीं आना चाहिए, इस पर मैंने डिपार्टमेंट को भी कहा है आप भी एक स्टडी कर वाली जिए कि वर्ल्ड में क्या प्रथा है बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट्स की और वही प्रथा भारत को फॉलो करनी चाहिए | अधिकांश देश अगर इसको renewable energy मानते हैं तो भारत भी मान सकता है

मुझे लगता है कि आज विश्व ने इस बात को महसूस किया है, पहचाना है कि भारतका जो रोल है, पर्यावरण के प्रति, भारत की जो कॉन्ट्रिब्यूशन है इस विश्व को सुधारने के लिए, इस विश्व में जो greenhouse gases और pollution की जो स्थिति है उसको सुधारने के लिए ये आज पुरे विश्व ने रेकोगनिज़ किया है, और इस चिंता को हम और ज्यादा अधिक जनता तक ले के जाना चाहते हैं |

बिजली बचाने का भी कार्य क्रम उतना ही इम्पोर्टेन्ट है जितना नवीकरणीय ऊर्जा का कार्यक्रम है, एल.ई.डी. का प्रोग्राम हो, नए agricultural pump sets, energy efficient pump sets का हो, better air conditioning, better fans ये सभी कार्यक्रम आखिर एक प्रकार से पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदनाएं, हमारी प्रतिबद्धता है | आखिर हम जितने यूनिट बिजली बचाते हैं एक प्रकार से सवा यूनिट उत्पादन बचाते हैं, जिस प्रकार से अलग अलग योजनाओं के तहत ये सरकार पर्यावरण के प्रति काम कर रही है इसमें मुझे कोई संदेह नहीं है कि भारत बजाए की जैसे नोर्मल्ली रहता था कि दुनिया कहती थी कि भारत अडंगा डाल रहा है पर्यावरण को सुधारने में, आज प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रयत्नों से परिस्थिति ये हो गई है कि भारत दुनिया को रास्ता दिखा रहा है पर्यावरण कैसे सुधारना है, पर्यावरण के प्रति कैसे चिंता करना है, पर्यावरण को ठीक रखने के लिए क्या-क्या कदम उठाना है फिर वो चाहे हमारी नवीकरणीय ऊर्जा का बड़ा प्रोग्राम हो, चाहे वो हमारे energy efficiency से बिजली बचाने का प्रोग्राम हो, चाहे Afforestation का प्रोग्राम हो, हमने 2030 तक ढाई बिलियन टन कार्बन सिंक बनाने की कल्पना रखी है, आखिर ये NTPC के पेड़ लगाना, Coal India ने जिस प्रकार से ecotourism को प्रोत्साहन दिया है, नागपुर में शुरू किया है, CCL ने झारखण्ड में शुरू किया है, अलग-अलग जगह पर ये जो Afforestation drive जिसके लिए मेरे मित्र प्रकाश जावडेकर जीने Campa Bill भी लोक सभा से पारित कराया है, अभी राज्य सभा में अगले सत्र में पास हो जाना चाहिए इस सत्र में भी हो सकता था अगर थोड़ी को ऑपरेशन मिल जाती तो शायद चार महीने बच जाते, चार महीने में और दो-चार करोड़ trees लग जाते but ठीक है, देर आए दुरुस्त आए | जब विपक्ष का सहयोग मिल जाएगा तब राज्य सभा में पास कर देंगे नहीं तो जब हमारे आंकड़े बढ़ जाएंगे तब पास करेंगे पर पास तो पक्का करेंगे | हमारे इस बात का बहुत पक्का निर्णय है कि भारत का जो forest cover deplete हुआ है एक-आद वर्षों में उसको हमें rejuvenate करना है उसको पुनः एक बार जीवित करना है और भारत का जो एक सबसे valuable resource जो हमारे वन थे जो हमारे फारेस्ट कवर थे उसको पुनः एक बार उस लेवल पर ले के जाना है जो हमारे पूर्वजों ने एक ज़माने में हमारे लिए छोड़ा था जिससे हमारी अगली पीढ़ी ये न कहे कि हमने सिर्फ भारत से लिया और उनके लिए कुछ छोड़के नहीं गए और मैं समझता हूँ NTPC जैसी संस्थाएं पर्यावरण सुधारने के लिए बहुत बड़े कदम उठा रही हैं इस टाइप की योजनाओं से इस देश के आगे आने वाले दिनों में जो प्रदूषण की लेवेल्स हैं, जो प्रदूषण की चिंता है वो कम होगी |

भारत continuously कोशिश करते रहेगा कि जो बिजली घर कोइले पर भी चलते हैं उसमें भी प्रदूषण कम हो, clean coal technologies की तरफ ज्यादा जाएँ, पुराने प्लांट, inefficient plants को कैसे replace किया जाए, convert किया जाए, change किया जाए,with better quality equipment, newer technologies, super critical, ultra super critical technologies. कोयले की प्रोसेसिंग कैसे की जाए जिससे प्रदूषण कम हो इन सब चीजों को पिरोके जो एक माला बनेगी; शुद्धजल, शुद्धपवन, शुद्ध पानी इसकी माला को पिरोने के लिए मैं समझता हूँ आज का भी कार्यक्रम एक और पड़ाव है | हम भारत को विश्व का clean energy capital बनाना चाहते हैं और ये clean energy capital बनाने के लिए मैं समझता हूँ NTPC का योगदान बहुत महत्वपूर्ण

रहेगा | आगे आने वाले दिनों में NTPC इसी प्रकार से पर्यावरण के प्रति, वृक्षारोपण के प्रति, नवीकरणीय उर्जा के प्रति, शिक्षा के प्रति इन सभी good management practices जिसको कहते हैं आज के दिन, इन सबके प्रति और ज्यादा बड़े-बड़े कदम उठाते रहे इसके लिए मैं आपको सभी NTPC के कर्मचारियों को, officers, workers जितने Team NTPC में सभी लोग जुड़े हुए हैं, सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे आने वाले दिनों में यही दौर multiply होगा जिससे अगले कार्यक्रम में जब आऊ तो एक करोड़ दस वर्ष में इस प्रकार के लक्ष्य कभी मुझे सुनने न पड़े | आप पहले से इतना aggressive लक्ष्य दीजिये जिससे टीम भी charged up हो और मेरा भी प्रोत्साहन और बढे |

बहुत-बहुत धन्यवाद |